# बहुत ही सहज है राजयोग...

**'बहुत ही सहज है राजयोग' टॉपिक के पिछले अंक में हमने परमात्मा को प्रत्यक्ष करने के लिए कई कसौटियों व अन्य मान्यताओं की चर्चा की। इस अंक में हम परमात्मा का सत्य परिचय प्राप्त करने के लिए उनके नाम, रूप व गुण के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करेंगे।**

6. जब आप मन्दिर जाते हैं तो आप निश्चित रूप से मूर्ति के दर्शन या परमात्मा के दर्शन के लिए जाते हैं, वहाँ आप अपनी आँखें बन्द कर लेते हैं । अब ज़रा बताइये कि आप दर्शन करने गये हैं कि दर्शन कराने गये हैं। मूर्ति आपका दर्शन कर रही है, उसकी आँखें खुली हैं और आपकी बन्द हैं। इससे एक बात सिद्ध हो रही है ना कि परमात्मा यहाँ नहीं है। नहीं तो आप उससे बातचीत करते।

उपरोक्त मान्यताओं के कारण भी लोग भ्रमित हैं, इसलिए यहाँ हम परमात्मा का सत्य परिचय देना चाहेंगे, जो कहीं ना कहीं आपने पढ़ा और सुना होगा।

### परमात्मा का सत्य परिचय

हम यहाँ पर साक्ष्य रूप से परमात्मा के परिचय हेतु शास्त्रगत विवरणों को देखेंगे क्योंकि सभी की इसके लिए भावनाएं हैं। विभिन्न धर्मों के धर्मग्रंथों में परमात्मा का सत्य परिचय उल्लिखित है। उसे हम समझने का प्रयास करेंगे।

सर्वशास्त्रमयी शिरोमणि श्रीमद्भगवद्गीता में परमात्मा के बारे में जो सत्य परिचय दिया गया है, वह है - कि मैं निराकार हूँ, मेरा रूप ज्योतिर्बिन्दु रूप, प्रकाश स्वरूप है। मैं अभोक्ता हूँ, अकर्ता हूँ, अजन्मा हूँ।

निराकार का अर्थ यहाँ यह है कि जिसका कोई शरीर नहीं लेकिन रूप है। दुनिया में निराकार का शाब्दिक अर्थ निकालते हैं कि वो नाम रूप व आकार से न्यारा है। अब यदि वो नाम, रूप व आकार से न्यारा है तो आज तक की पूजा आपकी व्यर्थ चली गई। आपने जो पूजा की, वो तो मूर्ति की की ना। उसमें तो उसका नाम भी था और रूप भी था। योग के लिए कहा जाता है कि यह आत्मा और परमात्मा के मिलन का दूसरा नाम है। अगर परमात्मा का कोई रूप व आकार नहीं है तो उसके साथ योग कैसे लगायेंगे!

निराकार के शाब्दिक अर्थ से भिन्न कुछ बातें हैं जिन्हें समझना अति आवश्यक है। इस दुनिया में नाम, रूप व आकार के बिना कोई

अस्तित्व नहीं है। यहाँ निराकार शब्द विश्लेषण के रूप में लिया गया है। जैसे कोई किसी खाली स्थान को देखता है तो कहता है कि बड़ा ही विशाल खाली स्थान है तो क्या इससे आकाश या स्पेस की परिभाषा बदल जाएगी! आकाश तो आकाश ही है उससे विशाल इस दुनिया में कुछ नहीं हो सकता। लेकिन तुलनात्मक रूप से उसे छोटे के साथ, खाली स्थान के साथ सापेक्ष रूप से बोला जाता है। इसी तरह निराकार साकार का सापेक्ष है।

दूसरा उदाहरण जब कोई चित्रकार हवा का चित्र बनाता है, जो दिखाई नहीं देती, तो उसमें उसको कोई चक्रवात या तूफान को दर्शाता है और उस हवा को आकार दे देता है। लोग चित्र को देखकर कहेंगे कि बड़ी तेज हवाएं चल रही हैं।

वास्तव में परमात्मा का नाम भी है और उनका स्वरूप भी है। निराकार शब्द का भाव है जिसका मनुष्य सदृश्य नाम, रूप और गुण नहीं है। उसका नाम, रूप और स्वरूप मनुष्य से भिन्न है। जिस प्रकार मनुष्य का पिता मनुष्य की तरह है, वैसे ही हमारा परमपिता परमात्मा भी आत्मा की तरह ही है। जैसे आत्मा का स्वरूप ज्योतिर्बिन्दु है, वैसे ही परमात्मा भी आत्माओं के समान चैतन्य प्रकाश पुंज है। वो परम है अर्थात सर्वश्रेष्ठ है। भारत में परमात्मा की पूजा ज्योतिर्लिंग के रूप में की जाती है। यहाँ लिंग का अर्थ भी लोग गलत तरीके से लेते हैं। उनका कहना है लिंग अर्थात् सेक्स ऑरगन, लेकिन ये सरासर गलत है। जैसे हम कहते हैं पुरुष लिंग, स्त्री लिंग। यहाँ लिंग का अर्थ है लक्षण अर्थात् जिसके अंदर पुरुष के लक्षण हों, जिसके अन्दर स्त्री के लक्षण हों। उसी प्रकार शिव का अर्थ कल्याणकारी है और लिंग का अर्थ लक्षण है अर्थात् जिसके लक्षण में ही कल्याण भरा हो। जो सदा कल्याणकारी हो। जब कहीं अशांति होती है तो लोग कहते हैं, शिव, शिव। इसका अर्थ ये हुआ कि शिव शांति का प्रतीक है।

## ओमशान्ति मीडिया वर्ग पहेली-20

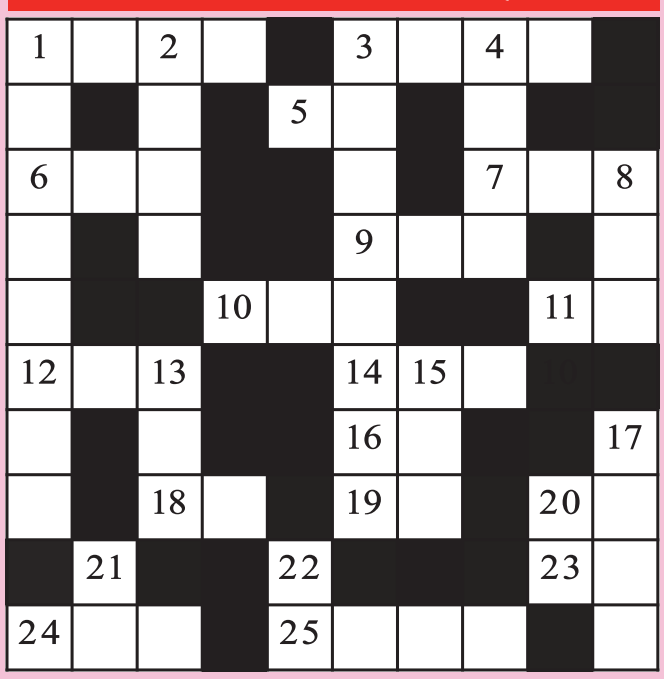

**बनें विजेता :** पहेली के कॉलम को काटकर व पेपर पर चिपकाकर उसके साथ उसका जवाब लिखकर हमें इस मीडिया के पीछे लिखे हुए पते पर भेजें। एक वर्ष के भीतर पूछे गए सभी पहेलियों में जिसका सबसे ज्यादा सही जवाब होगा उन्हें विजाताओं के लिस्ट में शामिल किया जाएगा और वर्ष के अंत में उन्हें आकर्षक ईनाम दिया जाएगा। इसलिए पहेली को ध्यान से पढ़िए, समझिए और भेज दीजिए हमारे पास उसका सही जवाब लिखकर और बनिए वर्ग पहेली के 'विजेता ऑफ द ईयर'।

पहेली की फोटो कॉपी या पोस्ट कार्ड पर भेजा गया पहेली का जवाब मान्य नहीं होगा। पहेली का जवाब भेजें तो उस लिफाफे पर आप अपना भी पूरा पता अच्छी लिखावट में लिखें, अपना मोबाइल नम्बर और हो सके तो अपना ई.मेल आईडी भी लिखकर भेंजें ताकि हमें पहेली का विजेता चुनने में कोई कठिनाई ना हो।

### ऊपर से नीचे

1. सर्वगुण सम्पन्न....सम्पूर्ण निर्विकारी मर्यादा पुरुषोत्तम (3-2-3)
2. बेसमझ, नादान, अज्ञानी (4)
3. सोमनाथ के मंदिर को लूटने वाला (4-4)
4. चिन्ता, यही.... रहनी चाहिए कि बाप समान कैसे बनें (4)
8. भगवान, परमात्मा, अल्लाह, खुदा (3)
13. आभास, चमक, प्रभा (3)
15. राज्य, प्रदेश, प्रान्त (3)
17. वरदान देने वाला, वरदानी (4)
20. वायु, पवन, समीर (2)
21. ब्रह्मा बाबा शिवबाबा का लांग....है, जूता (2)
22. द्वेष, इच्छा कामना, प्रेम, विशिष्ट गान प्रकार (2)

### बायें से दायें

1. बाबा का एक नाम, गजनवी द्वारा लूटा गया एक प्रसिद्ध मंदिर (4)
3. नथिंगन्यु, यह तो कल्प पहले .... होता है इसमें डरने की बात नहीं, हूबहू (4)
5. रास्ता, पथ, मार्ग (2)
6. पचाना, समा लेना (3)
7. इस पढ़ाई से 21 जन्मों के लिए....पद प्राप्त होता है (3)
9. स्याही रखने का बर्तन, मसि पात्र (3)
10. जागृत, सचेत, सावधान (3)
11. पंख, पराया (2)
12. ज्ञान, सीख, अक्ल (3)
14. प्रजा, जन, लोग (3)
16. बहुमूल्य पत्थर, नगीना, संख्या सूचक शब्द (2)
18. ....करो ऐसे भाई तुम पड़े ना फिर पछताना, कार्य (2)
19. शक्तिशाली योद्धा, ताकतवर (2)
20. प्रत्येक, हरण करने वाला, शिवबाबा का एक नाम (2)
23. वचन, प्रतिज्ञा, इकरार (2)
24. अचल, स्थिर, पक्का (3)
25. ज्ञान के रत्नों का....से मनन कर उसे प्रैक्टिकल धारणा में लाना है, गहरापन (4)

- ब्र.कु.राजेश,शांतिवन।

**हरिद्वार-उ.प्र.।** महाशिवरात्रि पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान ईश्वरीय स्मृति में ब्र.कु. मीना, स्वामी गणेशानंद जी,अध्यक्ष,पीर प्रेमनाथ आश्रम, मनोज कुमार श्रीवास्तव,जिला सूचना अधिकारी, अखिलेश शुक्ला,जिला बचत अधिकारी व अन्य ब्र.कु. बहनें।

**बरनाला-पंजाब।** महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में आयोजित पब्लिक प्रोग्राम के दौरान मुख्य अतिथि संजीव शोरे,प्रेसीडेंट ऑफ म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. बृज बहन।

**दिल्ली-जैतपुर।** सौरव विहार में न्यू मल्टीस्पेशियलिस्ट हॉस्पिटल के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित हैं ब्र.कु. उषा, ब्र.कु. बिन्दु व अन्य।

**रुड़की-उत्तराखण्ड।** महाशिवरात्रि पर आयोजित कार्यक्रम में शिव ध्वजारोहण के पश्चात् कृषि उत्पादन मण्डी समिति के अध्यक्ष प्रमोद जोहर को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. विमला। साथ हैं ब्र.कु. सोनिया।

**जम्मू कश्मीर-उधमपुर।** डी.आई.जी. सुरेन्द्र गुप्ता, एस.एस.पी. सुलेमान खान व एस.पी. तीन ऑफीसर्स को ईश्वरीय सौगात व ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय माउण्ट आबू आने का निमंत्रण देते हुए ब्र.कु. ममता।

**गंगोह-उ.प्र.।** 'त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव' कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए ब्लॉक प्रमुख ऋषिपाल जी, ग्राम प्रधान संजय जी, ब्र.कु. संतोष व अन्य।